

v36 incline my heart  
to your testimonies

**11) Ps 119:33-40**

v22 covetousness  
comes from within  
and defiles a man

**12) Mk 7:14-23**

v7 I would not have  
known covetousness  
unless the law said

**13) Ro 7:7-12**

v28 whoever looks  
at a woman has  
committed adultery

**14) Mt 5:17-32**

v5 bring every thought  
into captivity to  
obedience to Messiah

**15) 2 Cor 10:1-6**

v11 do not keep  
company with the  
covetous

**8) 1 Cor 5:1-13**

v3 let covetousness not  
be named among you

**9) Eph 5:1-7**

v2 You covet and  
cannot obtain ...  
therefore submit to  
The Mighty One

**10) Jas 4:1-10**

### Saintly Attitude

### The Assemblies

## The Tenth Commandment

### Covetousness

**Ex 20:17**

v25 - lest you be  
snared by it

**1) Dt 7:25-26**

v21 I coveted them  
and took them

**2) Jos 7:16-26**

v2 covet fields  
and take them

**3) Mic 2:1-2**

v13 everyone is given  
to covetousness

**4) Jer 6:9-21**

v17 for covetousness  
I struck him

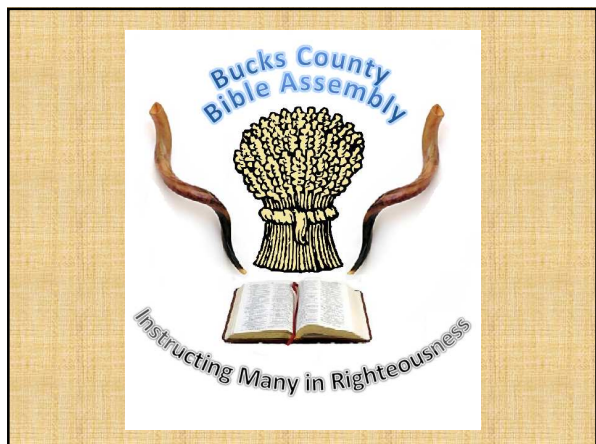
**5) Is 57:14-21**

v10 everyone is given  
to covetousness  
...they shall fall

**6) Jer 8:4-13**

v29 being filled with  
covetousness ...  
deserving of death

**7) Ro 1:18-32**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Sabbath Services**  
**14 March 2015**

**The Tenth**  
**Commandment**



---

---

---

---



---

---

---

---

**Exodus 20:17**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Exodus 20:17

V16 - Thou shalt not covet thy neighbour's house, thou shalt not covet thy neighbour's wife, nor his manservant, nor his maidservant, nor his ox, nor his ass, nor any thing that is thy neighbour's.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Deuteronomy 7:25-26



---

---

---

---

---

---

---

---

## Deuteronomy 7:25-26

V25 - The graven images of their gods shall ye burn with fire: thou shalt not desire the silver or gold that is on them, nor take it unto thee, lest thou be snared therein: for it is an abomination to **YHWH** thy Mighty One.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Joshua 7:16-26**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Joshua 7:16-26**

V21 - When I saw among the spoils a goodly Babylonish garment, and two hundred shekels of silver, and a wedge of gold of fifty shekels weight, then I coveted them, and took them; and, behold, they are hid in the earth in the midst of my tent, and the silver under it.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Micah 2:1-2**



---

---

---

---

---

---

---

---

### Micah 2:1-2

V2 - And they covet fields, and take them by violence; and houses, and take them away: so they oppress a man and his house, even a man and his heritage.



---

---

---

---

---

---

---

---

### Jeremiah 6:9-21



---

---

---

---

---

---

---

---

### Jeremiah 6:9-21

V13 - For from the least of them even unto the greatest of them every one is given to covetousness; and from the prophet even unto the priest every one dealth falsely.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Isaiah 57:14-21**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Isaiah 57:14-21**

V17 - For the iniquity of his covetousness was I  
wroth, and smote him: I hid Me, and was  
wroth, and he went on frowardly in the way of  
his heart.



---

---

---

---


---

---

---

---

**Jeremiah 8:4-13**



---

---

---

---

---

---

---

---

### **Jeremiah 8:4-13**

V10 - Therefore will I give their wives unto others, and their fields to them that shall inherit them: for every one from the least even unto the greatest is given to covetousness, from the prophet even unto the priest every one dealeth falsely.



---

---

---

---

---

---

---

---

### **Romans 1:18-32**

V28-29 - And even as they did not like to retain The Mighty One in their knowledge, The Mighty One gave them over to a reprobate mind, to do those things which are not convenient; Being filled with all unrighteousness, fornication, wickedness, covetousness, maliciousness; full of envy, murder, debate, deceit, malignity; whisperers,



---

---

---

---

---

---

---

---

### **Romans 1:18-32**

V28-29 - And even as they did not like to retain The Mighty One in their knowledge, The Mighty One gave them over to a reprobate mind, to do those things which are not convenient; Being filled with all unrighteousness, fornication, wickedness, covetousness, maliciousness; full of envy, murder, debate, deceit, malignity; whisperers,



---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Corinthians 5:1-13**



---

---

---

---

---



---

---

---

**1 Corinthians 5:1-13**

V11 - But now I have written unto you not to keep company, if any man that is called a brother be a fornicator, or covetous, or an idolator, or a railer, or a drunkard, or an extortioner; with such an one no not to eat.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Ephesians 5:1-7**



---

---

---

---

---

---

---

---



## Ephesians 5:1-7

V3 - But fornication, and all uncleanness, or covetousness, let it not be once named among you, as becometh saints;



---

---

---

---

---

---

---

---

## James 4:1-10



---

---

---

---

---

---

---

---

## James 4:1-10

V2-3 - Ye lust, and have not: ye kill, and desire to have, and cannot obtain: ye fight and war, yet ye have not, because ye ask not. Ye ask, and receive not, because ye ask amiss, that ye may consume it upon your lusts.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Psalm 119:33-40**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Psalm 119:33-40**

V36 - Incline my heart unto Thy testimonies,  
and not to covetousness.



---

---

---

---



---

---

---

---

**Mark 7:14-23**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Mark 7:14-23**

V22-23 - Thefts, covetousness, wickedness, deceit, lasciviousness, an evil eye, blasphemy, pride, foolishness: All these evil things come from within, and defile the man.


---

---

---

---


---

---

---

---

**Romans 7:7-12**


---

---

---

---

---



---

---

---

**Romans 7:7-12**

V7 - What shall we say then? Is the law sin? The Mighty One forbid. Nay, I had not known sin, but by the law: for I had not known lust, except the law had said, Thou shalt not covet.


---

---

---

---



---

---

---

---

**Matthew 5:17-32**



---

---

---

---

---



---

---

---

**Matthew 5:17-32**

V28 - But I say unto you, That whosoever looketh on a woman to lust after her hath committed adultery with her already in his heart.



---

---

---

---



---

---

---

---

**2 Corinthians 10:1-6**



---

---

---

---

---

---

---

---

## 2 Corinthians 10:1-6

V5- Casting down imaginations, and every high thing that exalteth itself against the knowledge of The Mighty One, and bringing into captivity every thought to the obedience of Messiah;



---

---

---

---

---

---

---

---

## Next Sabbath Message

**The Sabbath Year**

**Services Start at 1:30 pm**



---

---

---

---

---

---

---

---